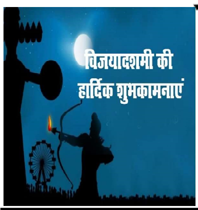

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 89 मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

विजयादशमी की शुभकामना

दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, वितरकों, विज्ञापनदाताओं, शुभेच्छुओं सहित जन–जन को अन्याय पर न्याय के विजय पर्व विजयादशमी की शुभकामनायें।– सम्पादक

अवकाश सूचना

विजयादशमी पर्व पर भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय 20 अक्टूबर को बंद रहेगा। अगामी अंक 22 अक्टूबर को प्रकाशित होगा–

–व्यवस्थापक

एक नजर

मध्यान्ह भोजन में मिलेगी ताजी सब्जी

बस्ती। जिले के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहालों को मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) में ताजी और पौष्टिक साग–सब्जी मिलेगी। इसके लिए शासन की ओर से किचन गार्डन योजना के तहत जिले को 31.14 लाख रुपये का बजट मिला है। 2076 स्कूलों के खाते में सीधे यह धनराशि जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार जिले के कुल 2076 राजकीय, परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों को इस योजना से जोड़ा गया है। किचन गार्डन के लिए मिलने वाली धनराशि सीधे स्कूलों के खाते में भेजी जा रही है। प्रत्येक विद्यालय को इस योजना के तहत 1500 रुपये दिए जा रहे हैं।

विभाग ने स्कूलों को 1500–1500 रुपये भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस धनराशि से स्कूलों में पालक, धनिया, टमाटर, बैंगन, लौकी, मूली जैसी मौसमी सब्जियों के बीज और खाद खरीदे जाएंगे। योजना के तहत स्कूल परिसर में खाली पड़ी जमीन पर किचन गार्डन विकसित किया जाना है, जिसमें बच्चे और शिक्षक मिलकर साग–सब्जी उगाएंगे। गार्डन में उगने वाली सब्जी का सीधे मध्यान्ह भोजन में प्रयोग किया जाएगा। इससे दो फायदे होंगे, एक तो बच्चों को ताजी और रसायन मुक्त सब्जी मिलेगी। दूसरा एमडीएम का मेन्यू और अधिक पौष्टिक होगा। साथ ही बच्चों में पर्यावरण और श्रम के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी ने बताया कि सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने–अपने ब्लॉक के स्कूलों में किचन गार्डन अनिवार्य रूप से विकसित कराएं और उसकी नियमित निगरानी भी करें।

तीन सीएचसी के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जननी सुरक्षा योजना में खराब प्रगति पर तीन सीएचसी के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर उनका अक्तूबर माह का वेतन बाधित किया जाएगा। सीएम डैशबोर्ड पर खराब प्रगति के बाद सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने कार्रवाई के लिए सीएमओ को निर्देशित किया है। योजना में शत प्रतिशत भुगतान न किए जाने से जनपद को बी ग्रेड मिला है। इसके लिए जिम्मेदारी तय की गई है। समीक्षा में सीएचसी दुबौलिया की समीक्षा में पाया गया कि माह–सितम्बर 2026 में कुल 447 संस्थागत प्रसव के सापेक्ष 369 लाभार्थियों (82.55 प्रतिशत) को भुगतान किया गया है।

सीएमओ की ओर से लगातार की गई समीक्षा व निर्देश के बाद भी शत–प्रतिशत लाभार्थियों को भुगतान नहीं कराया गया जिसके कारण पिछले चार माह से जनपद की रैकिंग प्रभावित हो रही है। तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण देना है।सीएचसी गौर में माह–सितम्बर, 2026 में कुल 652 संस्थागत प्रसव के सापेक्ष 519 लाभार्थियों (79.60 प्रतिशत) को भुगतान किया गया है। सीएचसी सल्टीआ गोपालपुर में माह सितम्बर, 2026 में कुल 578 संस्थागत प्रसव के सापेक्ष 482 लाभार्थियों (83.39 प्रतिशत) को भुगतान किया गया है।

मुस्लिम देशों को भारत का मुंहतोड़ जवाब: पाकिस्तान का औजार मत बनो

नई दिल्ली (आभा)। इराक के बगदाद में 17–18 अक्टूबर 2026 को आयोजित इस्लामी सहयोग संगठन(ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद की 52वीं बैठक में पारित भारत विरोधी प्रस्तावों पर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट किया कि ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ओआईसी की बैठक में भारत के बारे में की गई बातें दुर्भावनापूर्ण, पक्षपाती और झूठी थीं, जिन्हें पाकिस्तान ने प्रायोजित किया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम 17–18 अक्टूबर, 2026 को बगदाद में आयोजित ओआईसी के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक के प्रस्तावों में भारत विरोधी बातों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। भारत के बारे में ये बातें दुर्भावनापूर्ण, पक्षपाती और झूठी हैं, और इन्हें पाकिस्तान ने प्रायोजित किया है। हमें निराशा है कि ओआईसी ने एक बार फिर खुद को पाकिस्तान के कट्टर एजेंडे के लिए इस्तेमाल होने दिया है।

विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओआईसी की बैठक में भारत के खिलाफ दिए गए बयान पूरी तरह से द्वेषपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और झूठे हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने प्रायोजित किया है। भारत ने गहरी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि व्ह एक बार फिर पाकिस्तान के संकीर्ण और कट्टरपंथी एजेंडे का शिकार होकर उसके हाथों इस्तेमाल हुआ है। बता दें कि ओआईसी 57 मुस्लिम देशों का एक बड़ा संगठन है। इसके सदस्य देश चार महाद्वीपों (एशिया, अफ्रीका, यूरोप और दक्षिण अमेरिका, कैरिबियाई क्षेत्र) में फैले हुए हैं।

जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग भारत ने साफ किया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं और राजनीतिक रूप से प्रेरित कोई भी दुष्प्रचार इस जमीनी हकीकत को बदल नहीं सकता।

बयान में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद से जम्मू–कश्मीर में बुनियादी ढांचे, पर्यटन, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास से आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है।

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की बदतर स्थिति को उजागर करते हुए कहा कि वहां पाकिस्तान ने आम प्रदर्शनकारियों पर हिंसा, दमन और बर्बरता ढहाई है, जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कई लोग मारे गए हैं।

बहुजन मुक्ति पार्टी प्रदेश सचिव बनने पर डॉ. आरके आनन्द का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन मुक्ति पार्टी का प्रदेश सचिव बनाए जाने के बाद पहली बार बस्ती पहुंचे डॉ. आरके आनंद का भारत मुक्ति मोर्चा के जोन अध्यक्ष आरके आरतियन और चंद्र प्रकाश गौतम जिला अध्यक्ष बीएमपी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। कचहरी के निकट स्थित संत गाडगे जी की प्रतिमा के पास आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने डॉ. आनंद को फूल–मालाओं से लाद दिया और मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। डॉ. आरके आनंद ने संत गाडगे जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

प्रदेश सचिव डॉ. आरके आनंद ने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि बहुजन मुक्ति पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए वह निरंतर प्रयास करेंगे। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं के सहयोग और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

स्वागत करने वालों में आरके गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष बीएमपी, चंद्रिका प्रसाद प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बीएमपी, हृदय गौतम मंडल अध्यक्ष बीएमपी, दीपक आर्य जिला अध्यक्ष भारतीय बेरोजगार मोर्चा, दयानिधि आनंद पूर्व जिला अध्यक्ष बीएमपी, नितिन धीरज मंडल प्रभारी बामसेफ, अशोक कुमार राव सहित अन्य लोग शामिल रहे।

14 मतदान केंद्रों पर होगा शिक्षक निर्वाचन मतदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन निर्वाचन–2026 को सकुशल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जोनलध्सेक्ध्टरध्माइक्रो आब्ब्जर्वर/पीठासीन अधिकारीयो का द्वितीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने कहा निर्वाचन कार्मिक अपने दायित्वों का विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त करे , ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। बैलेट पेपर से मतदान होने के कारण मतदेय स्थलों पर मतदान की गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद बस्ती में कुल 14 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2045 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे तक कराया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ विजय यादव ने निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार मतदान अधिकारियों के दायित्वों एवं मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इसमें मतदान सामग्री की जांच एवं सुरक्षा, मतदाता सूची, मतदान अभिकर्ताओं की नियुक्ति, मत पेटिका की तैयारी, बैलेट बॉक्स खोलने एवं सील करने की प्रक्रिया, मतपत्र लेखा तैयार करने, मतदाताओं की पहचान तथा मतदान के दौरान उत्पन्न होने वाली विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के तरीकों के बारे में बताया गया। इस दौरान मुख्य विकास सार्थक अग्रवाल,अपर जिलाधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार,प्रदुमन कुमार,अहमद फरीद खान,रश्मि यादव, उमाकान्त तिवारी,हिमांशु कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर, जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अरुण कुमार गुप्ता, डीएसटीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, एडीईओ सुभाष सिंह, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं निर्वाचन कार्मिक उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष शैल त्रिपाठी के आरोपों से गरमाई राजनीति: जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा आरोप निराधार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष शैल त्रिपाठी के आरोपों से जिले की राजनीति में हलचल मच गई है। सोशल मीडिया पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र को संबोधित करते हुए शैल त्रिपाठी ने महिलाओं के कथित शोषण का मुद्दा उठाया और सवाल किया कि क्या इसके लिए उन्हें पद से हटाया जाएगा। शैल त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि स्थानीय जिलाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने साजिश कर उन्हें पद से हटवाया है। इस सम्बन्ध में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि सारे आरोप निराधार और तथ्यों से परे हैं। जरूरत पड़ी तो वे मानहानि का मुकदमा करेंगे।

वहीं, भाजपा जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों से जुड़े मामलों में शीर्ष नेतृत्व के संज्ञान के बाद उन्हें पद से मुक्त किया गया था। शैल त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें

बस्ती महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन स्थानीय जिलाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने साजिश कर उन्हें पद से हटवा दिया। उनके मुताबिक, पिछले कई वर्षों से उनके खिलाफ लगातार साजिश की जा रही है। उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं का अपमान बताया। सोशल मीडिया पर उनकी टिप्पणी के बाद पार्टी के भीतर संगठनात्मक अनुशासन और महिला सम्मान को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

दूसरी ओर, भाजपा जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान और उसके बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता से जुड़े प्रकरणों को शीर्ष नेतृत्व ने संज्ञान में लिया था। इसके बाद शैल त्रिपाठी को महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष के दायित्व से मुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार और बेबुनियाद हैं। तथ्यों की पुष्टि किए बिना इस तरह के आरोप लगाना अनुचित है और इससे संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास होता है।

फिलहाल, दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप के बीच बस्ती भाजपा में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष की टिप्पणी और पार्टी पदाधिकारी के जवाब ने संगठन के भीतर चल रहे मतभेदों को सतह पर ला दिया है। इन आरोपों के बाबत भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष को पद से हटाने का निर्णय प्रदेश नेतृत्व ने लिया है। उनके द्वारा मेरे ऊपर लगाया गया आप बेबुनियाद और पूरी तरह से निराधार है। पूर्व में भी शैल त्रिपाठी की तरफ से कई अनर्गल आरोप लगाया जा चुके हैं। वह पहले भी संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल रही हैं। इन बिंदुओं को प्रदेश नेतृत्व ने संज्ञान में लेते हुए कारवाई किया है।

बहरहाल ऐसे समय में जबकि पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी की माता जी के निधन को लेकर शोक का माहौल है भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष शैल त्रिपाठी ने नवरात्रि पर्व के बीच गंभीर आरोप लगाकर नये चर्चा को जन्म दे दिया है।

टाइगर श्राफ पर गोली चलाने वाले तीनों आरोपी गिरफ्तार

मुम्बई (आभा)। सिने अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने वाले तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तीनों को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी रेलवे कॉलोनी में छुपे हुए थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने तीनों को पकड़ा है। मुंबई पुलिस को उनकी लास्ट लोकेशन अंधेरी रेलवे स्टेशन की मिली थी। यहां से तीनों आरोपी मुंबई से दिल्ली आने वाली ट्रेन में सवार होकर भाग निकले थे। कोटा सिटी पुलिस ने भी पुष्टि की है कि तीनों शूटर गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि इन शूटरों को टाइगर श्रॉफ पर गोली चलाने के लिए 50,000 रुपए एडवांस मिले थे। जांच के अनुसार, पुलिस को सीसीटीवी फुटेज प्राप्त हुआ, जिससे आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली और पता चला कि वे ट्रेन से सूरत की ओर जा रहे थे। ये गिरफ्तारियां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सोमवार को दिए गए बयान के बाद हुई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुंबई पुलिस को इस मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और वह हमले के लिए जिम्मेदार

लोगों और उनके सहयोगियों को न्याय के कटघरे में लाने का पूरा प्रयास करेगी।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि आरोपी महाराष्ट्र से बाहर, संभवतः विदेश से, अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस अन्य राज्यों के साथ समन्वय करेगी और उन्हें पकड़ने के लिए केंद्रीय एजेंसियों से भी सहायता मांगेगी।

टाइगर पर गोली चलाने वाली तीनों आरोपियों की पहचान भी उजागर हो गई है। एक शूटर नाबालिग है, जो हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। दूसरा शूटर रेहान भी सोनीपत का रहने वाला है, जबकि ऋतिक कुमार उर्फ रोशन बिहार के बेगुसराय का रहने वाला है।

गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, लिया आशीर्वाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

गोरखपुर । शारदीय नवरात्र की महानवमी पर सोमवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन किया। उन्होंने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और विधि–विधान से पूजन कर आरती उतारी। इसके बाद कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर दक्षिणा और उपहार दिए तथा उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कन्याओं और बटुकों को अपने हाथों से भोजन भी परोसा।

गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में कन्या पूजन का अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने पीतल के परात में जल लेकर नौ कन्याओं के बारी–बारी से पांव धोए। इसके बाद उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत का तिलक लगाया। पुष्प और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ के ज्वारे से पूजन किया। माला पहनाकर और चुनरी ओढ़ाकर कन्याओं को उपहार व दक्षिणा प्रदान की।

पूजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर की रसोई में तैयार भोजन प्रसाद कन्याओं और

बटुकों को अपने हाथों से परोसा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया। वह इस बात का ध्यान रखते रहे कि किसी भी बच्चे की थाली में प्रसाद की कमी न रहे। इसके लिए उन्होंने मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को आवश्यक निर्देश भी दिए। नौ कन्याओं के अलावा मंदिर में पहुंची अन्य बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन किया और आरती उतारी। अन्न क्षेत्र के प्रथम तल के साथ भूतल पर भी कन्या भोज की व्यवस्था की गई थी। सभी कन्याओं और बटुकों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराने के बाद उपहार और दक्षिणा दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्नेह और आशीर्वाद पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं और बटुकों में उत्साह दिखा। मुख्यमंत्री ने एक–एक कर कन्याओं और बटुक भैरव का पूजन किया। दक्षिणा और उपहार मिलने पर बालिकाएं प्रसन्न नजर आईं। भोजन परोसते समय भी मुख्यमंत्री बच्चों से बातचीत करते रहे और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखा।

कन्या पूजन से पहले सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि–विधान से आराधना की। कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास सहित कई साधु–संत उपस्थित रहे।

अधिवक्ता पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता नीरज चौधरी पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सोमवार को कचहरी में वकीलों ने जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने घटना पर नाराजगी जताते हुए साथी अधिवक्ता को न्याय दिलाने के लिए एकजुटता दिखाई। द यंग बार एसोसिएशन जनपद बस्ती ने भी घटना की निंदा की है। एसोसिएशन की ओर से जारी प्रस्ताव के अनुसार, 17 अक्तूबर को अधिवक्ता नीरज चौधरी पर कथित रूप से जानलेवा हमला किया गया

था। हमले में गंभीर रूप से घायल नीरज चौधरी का गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार भट्ट और महामंत्री दुर्गेश नन्दन श्रीवास्तव ने आरोपियों की गिरफ्तारी, अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता पर हमला गंभीर मामला है। पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए अधिवक्ता एकजुट होकर संघर्ष करेंगे।

न्यायालय के आदेश पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज करने का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र कें अण्डा गांव में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सिविल जज सी.डि./ एफटीसी ने पीड़ित की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर मुण्डेरवा पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने , साथ ही की गई कार्रवाई से 15 दिनों के भीतर न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है। न्यायालय के इस फैसले पर पीड़ित परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया है। परिवार ने पुलिस से मामले में लापरवाही न बरतने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित अब्दुल समीद ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र कर आरोप लगाया गया कि 29 जुलाई 2026 की रात करीब नौ बजे पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षियों सज्जाक पुत्र रमजान अली आदि ने उनके लड़के इसरार अहमद के साथ गाली–गलौज की। विरोध करने पर लात–मुक्कों और थप्पड़ों से मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। मारपीट में इसरार अहमद को चोटें आईं, जिसके संबंध में चिकित्सकीय दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, घटना की सूचना स्थानीय थाने पर देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक बस्ती को भी रजिस्ट्री के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

न्यायालय ने प्रकरण से संबंधित प्रार्थना पत्र, उपलब्ध दस्तावेजों और पुलिस की आख्या का अवलोकन किया। आदेश में घटना की परिस्थितियों, दोनों पक्षों के बीच पूर्व से चले आ रहे भूमि विवाद और पुरानी रंजिश का भी उल्लेख किया गया है। न्यायालय ने मामले की जांच आवश्यक मानते हुए मुंडेरवा थानाध्यक्ष को विपक्षियों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर नियमानुसार विवेचना करने का निर्देश दिया।

न्यायालय के आदेश के बाद पीड़ित परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें न्याय दिलाने की दिशा में न्यायालय ने जो निर्णय लिया है, उसके लिए वे आभारी हैं और धन्यवाद देते हैं। परिवार ने कहा कि अब पुलिस को मामले में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जाए और आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो, ताकि उनका मनोबल न बढ़े और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पीड़ित परिवार ने उम्मीद जताई कि न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए पुलिस जल्द कार्रवाई करेगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 अक्टूबर 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

विजयादशमी का संदेश

असत्य पर सत्य के विजय का प्रतीक नव रात्रि और विजयादशमी का पर्व सदियों से ऋतु परिवर्तन के बाद नवीन ऊर्जा देता रहा है। विजयादशमी वह है, जब मन की सभी विकृतियाँ और नकारात्मक प्रवृत्तियाँ दूर हो जाती हैं। यह दिन साल भर में हमारे मन द्वारा एकत्रित सभी प्रकार के रागों और द्वेषों पर विजय का प्रतीक है। इस दिन को बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। रावण के दस सिर हमारे भीतर के दस नकारात्मक गुणों के प्रतीक हैं और उनके पुतले को जलाना इन नकारात्मकताओं को जड़ से उखाड़ने की आवश्यकता बताता है। इन बुराईयों को त्याग कर हमारे भीतर की दिव्यता खिल उठती है।

विजयदशमी पर हम सभी प्रकार की नकारात्मक प्रवृत्तियों को दूर करने का प्रयास करते हैं और अपनी आंतरिक विजय का पर्व मनाते हैं। यह दिन हमें अपने भीतर के उस आनंद और पवित्रता का स्मरण कराते हैं, जैसा हमारे बचपन में हुआ करता था। यह समय अपनी उमंग को फिर से ऊर्जावान बनाने, सभी एकत्रित हुई नकारात्मकताओं को धो डालने तथा जीवन को निरंतर उत्सव रूप में जीने तथा ज्ञानोदय के मार्ग पर चलते रहने का संकल्प दोहराने का समय है। हमारी आत्मा, अजेय शरीर में प्रवेश करती है, तो उसकी परिणीति विजय में होती है। यही आंतरिक विजय ही आत्मज्ञान या स्वयंबोध का सार है, और यह त्यौहार भी इसी व्यक्तिगत विजय को विशेष रूप से दर्शाता है।

नवरात्रि के इन नौ दिनों में हम महाकाली की पूजा करते हैं, जिन्होंने मधु और कैटभ नामक असुरों को परास्त किया। यह असुर, जो विश्रामरत विष्णु भगवान के कान के मैल से उत्पन्न हुए थे, राग और द्वेष के रूप में हैं। महाकाली द्वारा उनको पराजित करना हमारे भीतर के संघर्षों पर विजय का प्रतीक है। अपने भीतर के दिव्य प्रकाश को पहचान कर हम जीवन के अनन्त उत्सव के साथ एक हो जाते हैं। अपने भीतर की नकारात्मकता और चिंताओं पर विजय पाने से हम इस ज्ञान के और निकट आ जाते हैं कि हमारा सच्चा स्वरूप शाश्वत और प्रकाशमान है। विजयदशमी का यही संदेश है कि हम अपने भीतर के वैभव को पहचानें, उसके साथ जुड़ें और जीवन के प्रत्येक पल में अपने सर्वोच्च स्वरूप का उत्सव मनाएँ।

उपासना में हादसे की त्रासदी

एक हादसे की त्रासदी का सबक हर हाल में यह होना चाहिए कि अगली बार सभी स्तर पर इस तरह के इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन होने वाले हादसों और उसमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं के बावजूद किसी को भी सावधानी बरतना या याद रखना जरूरी नहीं लगता। खासतौर पर धार्मिक आयोजनों में अक्सर ऐसी लापरवाही आम देखी जा रही है, जिसमें हादसों की आशंका के बावजूद थोड़ी भी एहतियात नहीं बरती जाती। सवाल है कि इस तरह की लापरवाही के लिए क्या कभी किसी को जिम्मेदार ठहराया जाता है या कुछ भी ऐसा किया जाता है, ताकि आगे ऐसी घटना न हो? कोलकाता के एक प्रमुख दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार को हुई भगदड़ में उन्नीस लोगों के मरने और कम से कम पच्चीस के घायल होने की खबर ने एक बार फिर यही साबित किया है कि कार्यक्रम के आयोजकों से लेकर पुलिस–प्रशासन या सरकार तक को कोई फिक्र नहीं है कि मामूली गलती भी कितने बड़े हादसे की वजह बन सकती है।

विडंबना यह है कि ऐसी हर घटना के बाद सरकार की ओर से हादसे के कारणों की जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, पीड़ितों या उनके परिजनों को राहत या मुआवजा आदि की घोषणा करने में तो तत्परता दिखाई जाती है, लेकिन ऐसी त्रासदी न हो, इसका पूर्व–इंतजाम करने को लेकर कोई गंभीरता या संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती। खबरों के मुताबिक, कोलकाता के चोरबागान पूजा पंडाल में काफी संख्या में लोग जमा थे और लोगों के आने–जाने का तांता लगा हुआ था, लेकिन इसी बीच लाउडस्पीकर से कोई घोषणा की गई, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में भारी अफरा–तफरी और भगदड़ मच गई। इसके बाद लोगों के सामने केवल खुद को बचाने के लिए वहां से निकलने की कोशिश करने का विकल्प ही बचा था, जिसकी संभावना वहां की संकरी जगह और भीड़ की वजह से बेहद कम थी। जाहिर है, बचने की कोशिश में स्थिति और बिगड़ती गई, नतीजतन, उन्नीस लोगों की जान चली गई।

ऐसा लगता है कि धार्मिक आयोजनों या स्थलों पर ज्यादा से ज्यादा लोगों के जमा होने की उम्मीद तो की जाती है, उसके लिए कई बार प्रचार अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन वहां की व्यवस्था के चाक–चौबंद होने को लेकर किसी भी स्तर पर ध्यान रखना अनिवार्य नहीं समझा जाता। देश के अलग–अलग हिस्सों से अक्सर किसी धार्मिक आयोजन या स्थल पर या फिर राजनीतिक रैलियों में सिर्फ लापरवाही और संवेदनहीनता की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की खबरें आती रहती हैं।

हैरानी की बात है कि अमूमन हर ऐसे हादसे के कारणों के समान होने के बावजूद कहीं कोई एहतियात नहीं देखी जाती। कोलकाता में भी जिस जगह हादसा हुआ, वहां की जगह संकरी होने और इसके मुकाबले लोगों की भीड़ ज्यादा होने के बावजूद भीड़ प्रबंधन और हादसे की स्थिति में बचाव या राहत को लेकर कोई पूर्व–इंतजाम नहीं था।

इस तरह की घटनाओं में कई निर्दोष लोग जीवन गंवा देते हैं, लेकिन इसके लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाता है, क्या कार्रवाई की जाती है, भविष्य में भीड़ जमा होने वाले आयोजनों को लेकर क्या निर्देश जारी होते हैं, उन पर कितना अमल हो पाता है, इस सबको लेकर सरकारों के भीतर कोई संवेदनशीलता नहीं दिखती। यह बेवजह नहीं है कि आए दिन ऐसे हादसों का सिलसिला बदस्तूर कायम है।

जलते पुतले, बढ़ते रावण: दशहरे का बदलता अर्थ

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

हर साल दशहरे की शाम रावण के विशाल पुतले धू–धू कर जलते हैं। आतिशबाजी की चमक, पटाखों की गूंज और दर्शकों की तालियों के बीच बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया जाता है। कुछ ही मिनटों में रावण का पुतला राख हो जाता है और लोग विजयादशमी की शुभकामनाएँ देते हुए अपने घर लौट जाते हैं। लेकिन एक सवाल हर साल हमारे सामने खड़ा रहता हैकृ यदि रावण सचमुच मर रहा है, तो समाज में बुराइयाँ लगातार बढ़ क्यों रही हैं? आखिर हर साल जलने वाला रावण कौन है और हर साल नए रूप में खड़ा होने वाला रावण कौन?

दशहरा केवल एक धार्मिक पर्व या मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक चेतना का पर्व है। रावण दहन का वास्तविक उद्देश्य हमें यह याद दिलाना है कि अहंकार, अन्याय, छल, लोभ और अनैतिकता चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः उनका पतन निश्चित है। लेकिन विडंबना देखिए कि हमने इस संदेश को एक वार्षिक आयोजन तक सीमित कर दिया है। पुतले बड़े होते जा रहे हैं, आयोजन भव्य होते जा रहे हैं और आतिशबाजी पर खर्च बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमारे भीतर की बुराइयाँ उसी अनुपात में कम हो रही हैं?

रामायण का रावण विद्वान था, शक्तिशाली था और शिवभक्त भी था। उसके व्यक्तित्व में अनेक गुण थे, लेकिन अहंकार और पराई स्त्री के अपहरण जैसे गंभीर अधर्म ने उसकी समस्त उपलब्धियों को व्यर्थ कर दिया। उसका अंत इस बात का प्रतीक है कि ज्ञान, शक्ति और वैभव भी मनुष्य को महान नहीं बना सकते, यदि उसके आचरण में मर्यादा और नैतिकता का अभाव हो। रावण की पराजय हमें सिखाती है कि व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसकी विद्वत्ता या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके चरित्र और कर्मों से होती है।

आज का रावण किसी एक चेहरे या पात्र का नाम नहीं है। वह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो दूसरों के अधिकारों का हनन करती है, कमजोरों का शोषण करती है और अपने स्वार्थ के लिए नैतिकता को ताक पर रख देती है। जब किसी बेटी की अस्मिता पर हमला होता है, जब दहेज के लिए किसी बहू को प्रताड़ित किया जाता है, जब रिश्वत लेकर न्याय और अधिकारों का सौदा होता है, जब नशा किसी परिवार को उजाड़ देता है और जब लालच में रिश्तों का खून होता है, तब समझ लेना चाहिए कि रावण किसी पुतले में नहीं, हमारी सामाजिक व्यवस्था और मानवीय सोच में जीवित है।

विडंबना यह भी है कि हम बुराई को पहचानने में जितनी तत्परता दूसरों के मामले में दिखाते हैं, उतना साहस अपने भीतर झाँकने में नहीं दिखाते। दूसरों का अहंकार हमें तुरंत दिखाई देता है, लेकिन अपना अहंकार स्वाभिमान लगने लगता है। दूसरों का छल हमें अपराध लगता है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए किया गया समझौता व्यावहारिकता कहलाता है। दूसरों की गलती पर हम कठोर निर्णय सुनाते हैं, जबकि अपनी गलतियों के लिए सौ बहाने खोज लेते हैं। यही दोहरा चरित्र भीतर के रावण को जीवित रखता है।

आज समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, नशाखोरी और नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसी समस्याएँ गंभीर चिंता का विषय हैं। इनके समाधान के लिए केवल धार्मिक आयोजन पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए परिवार, विद्यालय, प्रशासन और समाजकृसभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों को केवल अच्छे संस्कारों का उपदेश देना पर्याप्त नहींय उन्हें अपने व्यवहार में ईमानदारी, संवेदनशीलता और समानता के उदाहरण भी दिखाई देने चाहिए। कानून का भय आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि मनुष्य के भीतर सही और गलत के बीच अंतर करने वाली नैतिक चेतना जीवित रहे।

दशहरे का एक बड़ा संकट यह है कि हमने प्रतीकों को महत्व देना शुरू कर दिया है, जबकि उनके पीछे छिपे मूल्यों को अपनाने में पीछे रह गए हैं। राम का नाम लेना आसान है, लेकिन राम के आदर्शों पर चलना कठिन। सत्य की प्रशंसा करना सरल है, लेकिन सत्य के पक्ष में खड़े होने के लिए साहस चाहिए। न्याय की बातें करना सहज है, लेकिन अपने हितों के विरुद्ध भी न्याय का समर्थन करना वास्तविक चरित्र की परीक्षा है। मर्यादा का उपदेश देना आसान है, लेकिन अपनी इच्छाओं और व्यवहार पर मर्यादा का अनुशासन लागू करना कठिन है।

राम केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सत्य, न्याय, कर्तव्य और मर्यादा जैसे आदर्शों की प्रेरणा भी हैं। इन मूल्यों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे व्यवहार में दिखाई दें। यदि कोई व्यक्ति धार्मिक आयोजन में भाग लेकर लौटता है, लेकिन घर में अपने परिजनों के साथ दुर्व्यवहार करता है, कार्यस्थल पर बेईमानी करता है या समाज में कमजोर व्यक्ति का शोषण करता है, तो उसे अपने आचरण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। धर्म का वास्तविक मूल्य बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार से निर्धारित होता है।

रावण दहन को सार्थक बनाने के लिए जरूरी है कि हम इस पर्व को आत्मसुधार के अवसर में बदलें। प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झाँके और ईमानदारी से स्वीकार करे कि उसके व्यवहार में कौन–सी बुराई दूसरों को नुकसान पहुँचा रही है। कोई क्रोध पर नियंत्रण करना सीखे, कोई लालच से दूर रहने का संकल्प ले, कोई महिलाओं के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार को अपनी आदत बनाए और कोई अन्याय के सामने मौन रहने के बजाय उचित आवाज उठाए। इसी तरह समाज भ्रष्टाचार, हिंसा, दहेज प्रथा और नशे जैसी समस्याओं के विरुद्ध सामूहिक प्रयास करे।

हमें यह भी समझना होगा कि बुराई का विरोध केवल भाषणों और नारों से नहीं होता। अपराध के पीड़ितों का साथ देना, अन्याय के विरुद्ध गवाही देने का साहस जुटाना, भ्रष्ट आचरण को प्रोत्साहित न करना और अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी रावण के विरुद्ध संघर्ष है। सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत किसी विशाल मंच से नहीं, बल्कि व्यक्ति के छोटे–छोटे नैतिक निर्णयों से होती है।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि रावण के पुतले कितने ऊँचे बनाए जाएँ, बल्कि इस बात की है कि हमारा चरित्र कितना ऊँचा हो। आतिशबाजी की आवाज कितनी तेज हो, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अन्याय के विरुद्ध हमारी आवाज कितनी बुलंद हो। पुतले की ऊँचाई कुछ घंटों में समाप्त हो जाती है, लेकिन चरित्र की ऊँचाई पीढ़ियों तक समाज को दिशा दे सकती है।

दशहरे पर रावण का पुतला जलाकर लौटते समय यदि हम अपने भीतर के अहंकार, लोभ, ईर्ष्या और अनैतिकता को ज्यों का त्यों लेकर घर लौटते हैं, तो हमें उत्सव की सफलता पर नहीं, अपनी विफलता पर विचार करना चाहिए। बुराई का अंत मैदान में खड़े पुतले के गिरने से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर अन्याय के प्रति असहमति और नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता जागने से होता है।

इस विजयादशमी पर संकल्प केवल इतना न हो कि रावण का पुतला जलाना है। संकल्प यह भी हो कि अपने भीतर की किसी एक बुराई को पहचानकर उसे समाप्त करना है, किसी अन्याय का विरोध करना है और अपने व्यवहार से किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। जिस दिन हम ऐसा करने लगेंगे, उस दिन दशहरा केवल एक परंपरा नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का अभियान बन जाएगा।

रावण हर साल जलता है, लेकिन बुराई तब तक जीवित रहती है, जब तक हम उसे अपने भीतर और अपने आसपास जगह देते हैं। असली विजयादशमी उसी दिन होगी, जब पुतलों के साथ–साथ हमारी बुराइयाँ भी जलेंगी और हमारे आचरण में राम के आदर्श दिखाई देंगे।

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा

– अशोक भाटिया–

चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई श्स्पेशल इनटेंसिव रिवीजनश की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन–दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। 15 अक्टूबर 2026 को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में।

अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि ष्हम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा हैष, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दाखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का निष्पक्ष विश्लेषण करने का प्रयास है कि आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएं कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई श्स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन' की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे श्वोटों की चोरीश और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची–समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था।

राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। भारतीय चुनावी राजनीति में ईवीएम से लेकर मतदाता सूचियों में विसंगतियों के दावों तक, विपक्ष हमेशा से मुखर रहा है। इसी सिलसिले में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सहित 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक संयुक्त रिट याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया, तो देश को लगा कि यह लड़ाई अब पूरी तरह से कानूनी और संवैधानिक दायरे में लड़ी जाएगी। लेकिन, कानूनी याचिका दायर करने की सामान्य प्रक्रिया को जिस तरह से एक विशाल श्राजनीतिक जुलूसश में तब्दील कर दिया गया, उसने इस कानूनी लड़ाई के वास्तविक उद्देश्य पर ही बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए। 12 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के लुटियंस जोन में जो दृश्य दिखाई दिए, वे देश के न्यायिक इतिहास में बेहद दुर्लभ और विचलित करने वाले थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के सांसद, छात्र संगठन और समर्थक संसद मार्ग से होते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर की ओर बढ़े। हालांकि सुरक्षा कारणों से पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़ सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित श्फाइलिंग काउंटरश तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया। इसके साथ ही, एक तकनीकी और कानूनी पहलू यह भी सामने आया कि इस संयुक्त याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 प्रक्रियात्मक खामियां पाई थीं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र का धुंधला होना, जरूरी प्राधिकरण दस्तावेजों का गायब होना और यहां तक कि कोर्ट फीस में 220 की कमी होना शामिल था। इन मामूली प्रक्रियात्मक त्रुटियों को दूर करने के बजाय, जिस तरह से नेताओं और कार्यकर्ताओं की फौज ने रजिस्ट्री पर दबाव बनाने की कोशिश की, उसने देश के जागरूक वकीलों और नागरिकों को हैरान कर दिया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े करीब 200 वकीलों ने तत्काल इस घटना का संज्ञान लिया और पत्र लिखकर इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश की सर्वोच्च अदालत को राजनीतिक शक्ति–प्रदर्शन का अखाड़ा बनाया जा रहा है।

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी

– ललित गर्ग–

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन–व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्ध ाता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने–बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध ा विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों–ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ–साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार–बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा।

हवन पूजन से भक्तिमय हुआ जिला, कन्या भोज कराकर मांगा सुख समृद्धि का आशीष

संवाददाता—बलरामपुर। शारदीय नवरात्र की नवमी पर सोमवार को जिले में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना के लिए सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। देवीपाटन से लेकर बिजलीपुर तक देवी मंदिरों में दर्शन—पूजन को लेकर भक्तों की कतार लगी रही। कहीं घंटा—घड़ियाल की गूंज सुनाई दी तो कहीं मां के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। घरों में विधि—विधान से पूजा—अर्चना, हवन और कन्या पूजन कर परिवार की सुख—समृद्धि की कामना की गई। नौ दिनों तक चले व्रत और साधना के समापन पर श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर सुख, शांति और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। मंदिरों से लेकर घरों तक देवी भक्ति की छटा बिखरी रही।

नवमी पर सुबह होते ही घरों में पूजा—पाठ की तैयारियां शुरू हो गईं। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद मां दुर्गा की पूजा की और दुर्गा सप्तशती का पाठ कर हवन में आहुतियां दीं। नवरात्रि के नवें दिन कन्या पूजन के साथ भक्तों की नौ दिन की साधना पूरी हुई। भक्तों ने घरों के साथ देवी मंदिरों में कन्या पूजन कर नवरात्र की परंपरा निभाई गई। छोटी कन्याओं को देवी का स्वरूप मानकर उनके चरण धोए गए, तिलक लगाया गया और आरती उतारी गई। हलवा, पूड़ी और चने का प्रसाद खिलाकर दक्षिणा व उपहार भेंट किए गए। कई परिवारों में कन्या भोज के बाद व्रत का पारण हुआ। शहर से लेकर गांवों तक सुबह से ही कन्याओं को आमंत्रित करने और उनके स्वागत—सत्कार का सिलसिला चलता रहा। मंदिरों के आसपास पूजा सामग्री की दुकानों पर भी भीड़ रही। फूल—माला, चुनरी, नारियल और प्रसाद की खरीदारी के बीच पूरे जनपद में नवरात्र के अंतिम दिन का उत्साह दिखाई दिया।

नवरात्र के नौवें दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां सिद्धिदात्री अपने भक्तों को सिद्धियां प्रदान करने वाली और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली देवी हैं। नवमी पर श्रद्धालुओं ने धूप—दीप, पुष्प, फल और मिष्ठान अर्पित कर मां की आराधना की। हवन के दौरान मंत्रोच्चार के साथ आहुतियां देकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की विधि—विधान से पूजा करने पर भक्तों को आध्यात्मिक बल और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने नवरात्र की साधना पूर्ण कर मां से परिवार और समाज के कल्याण की प्रार्थना की। शारदीय नवरात्र की नवमी पर जनपद के विभिन्न देवी मंदिरों में विधि—विधान से हवन—पूजन का आयोजन किया गया। झारखंडी मंदिर, शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर, मां बिजलेश्वरी मंदिर और समय माता मंदिर धुसाह सहित विभिन्न देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन कुंड में आहुतियां देकर मां दुर्गा की आराधना की। हवन के दौरान वातावरण मंत्रों और देवी जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख—समृद्धि, सुख—शांति और खुशहाली की कामना की। नवरात्र के नौ दिनों तक चले पूजा—पाठ और अनुष्ठानों के समापन पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। कई स्थानों पर हवन के बाद आरती और प्रसाद वितरण भी किया गया।

विवाद के बाद धारदार हथियार से पत्नी की हत्या, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर बनगई के मजरा बांसगढ़ी में घरेलू विवाद में हत्या का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार पति ने ही विवाद के बाद धारदार हथियार से वार कर पत्नी की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार गांव निवासी रक्षाराम मौर्य व उनकी पत्नी नीलम मौर्या (40) के बीच देर रात करीब 12 बजे आपस में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर पति ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों को जानकारी मिलने पर उन्हें तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी मल्हीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने नीलम मौर्या को मृत घोषित कर दिया। घर में मौजूद मृतका की बुआ की बेटी सुशीला मौर्या ने घटना की सूचना नेपालगंज के बांके स्थित मायके पक्ष को दी। सूचना पर मायके पक्ष के लोगों ने मौके पर पहुंचकर मल्हीपुर पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे जमुनहा चौकी प्रभारी विनायक सिंह ने फॉरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाए। वहीं घटना की जानकारी के बाद प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर महेंद्र कुमार सिंह ने सीओ भिनगा आलोक सिंह के साथ मौका मुआयना किया। मृतका के भाई विक्रांत राज मौर्या पुत्र बहुदल मौर्या ने मल्हीपुर थाने में तहरीर देकर पति पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने बताया कि रक्षाराम मौर्या का विवाह करीब 22 वर्ष पूर्व नेपाल के जिला प्रहरी कार्यालय, बांके अंतर्गत घरवाली टोल निवासी बहुदल मौर्या की बेटी से से हुआ था। दंपति के दो बच्चे है। बेटा अभिषेक मौर्य (18) वर्तमान में पुणे में और छोटी बेटी अंकित मौर्य (16) नेपाल में मामा के यहां रहकर पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

हत्या मामले में केस दजरू मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर बनगई के मजरा बांसगढ़ी में घरेलू विवाद के बाद हुई पत्नी की मौत मामले में आरोपी पति के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह के अनुसार बांसगढ़ी निवासी रक्षाराम मौर्य की पत्नी नीलम मौर्या (40) के मौत के मामले में मृतका के भाई विक्रांत राज मौर्या पुत्र बहुदल मौर्या ने मल्हीपुर थाने में तहरीर दी है। जिसमें आरोप है कि रात में उसकी बहन नीलम मौर्या व बहनोई रक्षाराम के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद रक्षाराम ने नीलम पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे नीलम की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया। जिससे मामले में पूछताछ की जा रही है।

18वें सामूहिक विवाह में 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

संवाददाता—बहराइच। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर श्री मां समय दुर्गा पूजा समिति, गायत्री नगर, काजीकटरा की ओर से 18वें सामूहिक विवाह समारोह का सोमवार को भव्य आयोजन किया गया। श्री सिद्धनाथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी श्री श्री 1008 रवि गिरि जी महाराज के मौजूदगी में 21 जोड़े वैदिक रीति—रिवाज व मंत्रोच्चार के साथ परिणय सूत्र में बंधे। हर साल समिति की ओर से अनाथ कन्याओं की शादी की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। इस बार भी कई जोड़ों के माता—पिता जीवित नहीं हैं। आर्थिक तंगी व सामाजिक चुनौतियों के बीच ऐसे असहाय युवाओं के लिए यह सामूहिक विवाह नई जिंदगी का सहारा बना। पुरोहितों ने वंदना—गौरव, माला—रोहित, पूजा—गोकुल, खुशबू—दीनानाथ सहित सभी 21 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया। विवाह पूर्व वर—वधू पक्ष के लिए सामूहिक भोज हुआ। समिति ने नवदंपतियों को अलमारी, बेड, बिस्तर, बर्तन, आभूषण सहित गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप देकर विदा किया। स्वामी रवि गिरि जी ने सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।समिति अध्यक्ष मनोज गुप्ता व महामंत्री हरजीव अग्रवाल ने बताया कि नगर के समाजसेवियों के सहयोग से यह परंपरा अनवरत जारी है।

बदलते मौसम की मार, मरीजों से भरी सेवरही सीएचसी की ओपीडी

संवाददाता—देवरियिा। दिन में तेज धूप और शाम को ठंड का अहसास लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है। मौसम में बदलाव के चलते सर्दी, खांसी, जुकाम और हल्के बुखार के मरीज बढ़े हैं। इसका असर बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक पड़ रहा है। राहत की बात केवल यह है कि गंभीर मरीजों की संख्या में कमी आई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेवरही की ओपीडी में 350 से अधिक मरीज पहुंचे। इनमें करीब 60 प्रतिशत मरीज सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार से पीड़ित थे। अधिकांश ने लगातार छींक आने, सर्दी और थकान की शिकायत की। जोड़ों के दर्द से परेशान मरीज भी उपचार के लिए पहुंचे। किसी भी मरीज को गंभीर स्थिति में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। जांच के बाद दवाएं देकर मरीजों को घर भेज दिया गया। सीएचसी अधीक्षक डा. अमित जायसवाल ने बताया कि मौसम में बदलाव से मौसमी सर्दी—जुकाम और वायरल संक्रमण का असर बढ़ा है। शाम को ठंडी हवा लगने और तापमान में उतार—चढ़ाव के कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी। अस्पताल के फिजिशियन डा. अखिलेश कुमार ने कहा कि सुबह और शाम हल्के गर्म कपड़े पहनें। ठंडे पानी और कोल्ड ड्रिंक से परहेज करें। बाहर से आने के तुरंत बाद पंखे या एसी के सामने न बैठें। गुनगुना पानी पिएं और भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाएं। चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायोटिक न लें। बुखार दो दिन से अधिक रहने पर ओपीडी में जांच कराएं। बच्चों और बुजुर्गों की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

दुर्गा विसर्जन जुलूस में एसओ के अभद्रता पर भड़के लोग

संवाददाता—बहराइच। गंगवल बाजार में सोमवार को दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान विवाद हो गया। दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने पयागपुर थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह पर गाली—गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया। इससे नाराज समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने गंगवल बाजार स्थित श्री कल्याण नाथ मंदिर तिराहे पर सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी थानाध्यक्ष से सामूहिक रूप से माफी मांगने की मांग पर अड़े रहे। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाना था। विसर्जन जुलूस सड़क से गुजर रहा था। इसी दौरान पुलिस वाहन को आगे निकालने को लेकर विवाद होने की बात सामने आई। दुर्गा पूजा समिति काली मंदिर के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों का आरोप है कि थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने उनके साथ गाली—गलौज की और डीजे बजाने को लेकर भी आपत्तिजनक शब्द कहे। घटना से नाराज समिति के सदस्यों के साथ सैकड़ों लोग सड़क पर बैठ गए। इससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई और आवागमन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारी थानाध्यक्ष को मौके पर बुलाने और उनसे सामूहिक माफी की मांग पर अड़े रहे। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति सामान्य कराने का प्रयास किया। समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शन जारी था। मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष और आगे की कार्रवाई सामने नहीं आई थी।

अपराधियों और पुलिस की भीषण मुठभेड़, हिस्ट्रीशीटर को लगी गोली तीन गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। खैरीघाट इलाके में रविवार देर रात चोरी के आरोपियों और पुलिस की मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर संभारी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में हिरासत में लेकर अस्पताल पहुंचाया। मौके से उसके तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरी कार में सवार दो आरोपी पुलिस पर फायरिंग करते हुए भाग गए। उनकी तलाश में पुलिस की कई टीमें कांबिंग कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक, रविवार की रात 12 बजे क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम और खैरीघाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नानपारा—खैरीघाट रोड पर वैवाही मार्ग के पास कुछ संदिग्ध चोरी का सामान बेचने या चोरी की वारदात करने की फिराक में हैं। इस पर संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। इसी दौरान दो चारपहिया वाहनों से संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो एक कार से उतरे आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई।

इसके बाद पुलिस ने कार में सवार तीन अन्य आरोपियों को पकड़ लिया। दूसरी कार में सवार दो आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकले। घायल आरोपी की पहचान संभारी निवासी अरनवा टिकुरी, थाना खैरीघाट के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने मौके से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, एक अर्टिगा कार, पीली और सफेद धातु के जेवरात तथा नकदी बरामद की है। गिरफ्तार अन्य आरोपियों की पहचान महेश चौहान और मोहित लाल निवासी अरनवा टिकुरी तथा अनिल विश्वकर्मा निवासी मिहींपुरवा रेलवे क्रॉसिंग, थाना मोतीपुर के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बहराइच समेत अन्य जिलों में चोरी की कई घटनाओं में शामिल होने की बात बताई है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मौके से भागे आरोपियों की तलाश और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

डीएम से मिला पडरौना के 'यूथ क्लबों' का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता—कुशीनगर। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और आधुनिक शैक्षिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, 150 से अधिक सक्रिय छात्र—छात्राओं वाले श्यूथ क्लबोंश के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिलाधिकारी संजय चौहान से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की। कक्षा 11वीं की 16 वर्षीय छात्रा एवं तीन यूथ क्लबों की संस्थापक रागिनी राज्यलक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पडरौना नगर में एक सर्वसुविधायुक्त डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की प्रमुख मांग रखी। जिलाधिकारी श्री चौहान ने युवाओं की इस सार्थक पहल का स्वागत करते हुए डिजिटल लाइब्रेरी की मांग को स्वीकार किया। जिलाधिकारी ने बालिकाओं की आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) के लिए मार्शल आर्ट ट्रेनिंग की मांग को भी जल्द पूरा करने का पूर्ण आश्वासन दिया। विदित हो कि रागिनी राज्यलक्ष्मी सिंह की अगुवाई में यह यूथ क्लब विगत कई महीनों से नगर के हनुमान इंटर कॉलेज, उदित नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज और स्यो बाई कमला देवी टिबड़ेवाल इंटर कॉलेज में सक्रिय रूप से संचालित है, जिसमें छात्र—छात्राएं खुलकर अपने विचार व चिंताएं व्यक्त करते हैं। क्लब की हालिया बैठकों में छात्र—छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हुए विचार—विमर्श के बाद ही यह मांग रखी गई है।

यूथ क्लब की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से मांग की गई है कि पडरौना शहर में एक ऐसी कॉमन डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना हो, जहां एक ही छत के नीचे युवाओं को सभी जरूरी सुविधाएं मिल सकें। इस लाइब्रेरी में तकनीक व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी पुस्तकें, रेफरेंस बुक्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क ऑनलाइन तैयारी के लिए वाई—फाई युक्त कंप्यूटर, मोबाइल व टैबलेट (केवल पुस्तकालय परिसर में उपयोग हेतु) उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, ज्ञापन में यह भी अपील की गई है कि इस लाइब्रेरी में विशेष रूप से छात्राओं के लिए एक सुरक्षित समय (आरक्षित स्लॉट) निर्धारित किया जाए।

इस सराहनीय कदम पर जिलाधिकारी ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे यूथ क्लब युवाओं की मानसिकता को सकारात्मक ऊर्जा से भरते हैं और उन्हें समाज हित में कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर यूथ क्लब के पदाधिकारियों में हनुमान इंटर कॉलेज पडरौना से श्रेया जायसवाल, मांडवी सिंह व सोनम केसरी तथा उदित नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज से आराधना सिंह, अंशिका वर्मा, रत्ना कुशवाहा, अदिति पांडेय, और राबिया तबस्सुम आदि छात्राएं उपस्थित रहीं।

ताल में तैर रही है मौत, इलाके में फैली दहशत, जानवरों के बाद इंसान भी बन रहे निवाल

संवाददाता—महाराजगंज। सोहगीबरवा क्षेत्र के दर्जिनिया ताल से निकलकर मगरमच्छ अब नहरों और नारायणी नदी तक पहुंच रहे हैं। बाढ़ के दौरान पानी के साथ मगरमच्छों के आबादी के नजदीक पहुंचने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। स्थिति यह है कि नहर किनारे पशु चराने और मछली पकड़ने जाने से लोग कतरा रहे हैं।

गेड़हवां गांव के आसपास टेलफाल नहर में घूम रहे मगरमच्छ ने 3 बकरियों और एक कुत्ते को भी निशाना बनाया है। वहीं, बीते 25 सितंबर और 5 अक्टूबर को मगरमच्छ के हमले में एक की जान चली गई। लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मगरमच्छ को पकड़कर दर्जिनिया ताल में छोड़ने और ताल के चारों ओर मजबूत तारबाड़ लगाने की मांग की है। लगातार 3 दिनों तक हुई वर्षा के बाद नारायणी नदी का जलस्तर बढ़कर 6 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया था। इससे नदी के किनारे बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। शिकारपुर सहित आसपास के गांवों में पानी घुस गया था, जबकि गेड़हवा में भी कई घर बाढ़ की चपेट में आ गए थे। बाढ़ के पानी के फैलने से दर्जिनिया ताल से मगरमच्छों के बाहर निकलकर नहरों और नदी की ओर जाने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, दर्जिनिया ताल में ढाई सौ से अधिक मगरमच्छ हैं। 25 सितंबर को गेड़हवां निवासी अख्तर अली शाम करीब सात बजे गंडक (नारायणी) नदी के टेलफाल कटहवा पुल के पास मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपा मगरमच्छ अचानक पानी से बाहर निकला और उनके पैर को जबड़े में दबोच लिया। अख्तर के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे तो मगरमच्छ उन्हें छोड़कर पानी में चला गया। हमले में अख्तर अली घायल हो गए। 5 अक्टूबर को गेड़हवां निवासी छबिलाल उर्फ छांगुर नहर में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान मगरमच्छ उन्हें पानी में खींचकर ले गया। एनडीआरएफ और वन विभाग की टीम ने तलाश अभियान चलाया। दूसरे दिन उनका शव बरामद हुआ। इन घटनाओं के बाद ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है। 28 अगस्त को टोंगरी गांव के पोखरे में मगरमच्छ दिखाई देने से अफरा—तफरी मच गई थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू कर उसे दर्जिनिया ताल में छोड़ दिया था। अब नहरों और गांवों के आसपास मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों को बच्चों, पशुओं और अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। डीएफओ निरंजन सुर्वे ने बताया कि वन्यजीवों से बचाव के लिए गांव—गांव जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। वर्षा के दौरान लोगों को नहर की तरफ अकेले नहीं जाने और समूह में रहने की सलाह दी गई है।

दर्जिनिया ताल के आसपास वनकर्मियों की गश्त कराई जा रही है। मगरमच्छों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ सर्च अभियान भी चलाया जा रहा है। ताल के सुंदरीकरण और तारबाड़ कराने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। धनराशि उपलब्ध होने पर शीघ्र कार्य कराने का प्रयास किया जाएगा।

एमएलसी चुनावः देवरिया में पुलिसवालों को समय से पहुंचने और ड्यूटी के सख्त निर्देश जारी

संवाददाता—देवरिया। एमएलसी चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को निर्धारित समय पर ड्यूटी स्थल पर पहुंचने और सतर्कता से जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित प्रेक्षागृह में अपर जिलाधिकारी प्रशासन प्रेम नारायण सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय ने चुनाव ड्यूटी में नियुक्त अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की संयुक्त ब्रीफिंग की। इस दौरान निर्वाचन व्यवस्थाओं और सुरक्षा ड्यूटी के दायित्वों की जानकारी देकर आवश्यक दिशा—निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरतने और संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने, मतदान में बाधा डालने या शांति व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। शिक्षक और स्नातक मतदाताओं से शालीन और सहयोगपूर्ण व्यवहार करने तथा मतदान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने को कहा गया।

मतदाताओं के लिए भयमुक्त माहौल बनाने और पुलिसकर्मियों को निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों तथा कंट्रोल रूम से निरंतर संपर्क में रहने को भी कहा गया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी, क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर राजेश चतुर्वेदी और क्षेत्राधिकारी बरहज रंजना सचान सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महानवमी पर उमड़ी श्रद्धा, कन्या भोज और हवन हुए

संवाददाता—बहराइच। शारदीय नवरात्र की महानवमी पर सोमवार को जिले भर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। मंदिरों से लेकर पूजा पंडालों तक मां दुर्गा के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने विधि—विधान से मां सिद्धिदात्री की पूजा—अर्चना कर परिवार की सुख—समृद्धि की कामना की। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर हवन—पूजन के आयोजन हुए और कन्याओं को भोज कराकर उपहार दिए गए। शहर के श्री मरी माता मंदिर में महानवमी के अवसर पर मेला लगा। यहां दर्शन—पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। लोगों ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और मेले में खरीदारी भी की। मां संघारिणी देवी मंदिर में भी दिन पूजा अर्चन की धूम रही। कन्याओं को भोज कराया गया। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी देवी स्थानों पर मेलों का आयोजन हुआ। गांवों में श्रद्धालुओं ने पूजा—अर्चना के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। महानवमी पर कई स्थानों पर बच्चों के मुंडन सहित अन्य संस्कार भी कराए गए। नवदुर्गा पूजा समिति पाठक पट्टी में महाआरती व कन्याओं को भोज कराया गया। उपजिलाधिकारी महसी राजेश कुमार अग्रवाल पूजा पंडाल पहुंचे। झिंगहा घाट स्थित मौनी बाबा आश्रम, श्री देवी गुल्लावीर मंदिर, श्रीसिद्धनाथ मंदिर, गोंडा हाईवे स्थित बेरिया समय मां मंदिर मंत्रोच्चार से गूंजते रहे।

ड्रोन की निगरानी में हो दुर्गा प्रतिमाओं का महाविसर्जन —महासमिति

संवाददाता—बहराइच। महाविसर्जन को लेकर श्री मां दुर्गा हिन्दू पूजन महासमिति ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।शहर को आठ सेक्टरों में बांटकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जिला प्रशासन से विसर्जन मार्गों की ड्रोन से निगरानी कराने, सड़कों की मरम्मत, साफ—सफाई और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विसर्जन मार्गों पर पड़ने वाली मांस की दुकानें बंद रखने की मांग की है। कार्यवाहक अध्यक्ष एडवोकेट सुधाकर प्रसाद मिश्रा ने बताया कि विसर्जन महानवमी से शुरू होकर एकादशी तक चलता है। इस वर्ष 21 अक्टूबर बुधवार को महाविसर्जन के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए महासमिति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शहर के आठ प्रमुख स्थानों को सेक्टर बनाकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को तैनात किया जाएगा।

महासमिति ने छावनी चौराहा, घंटाघर, पीपल तिराहा, गुदड़ी चौराहा, काजीपुरा चौराहा, रामलीला ग्राउंड, आशीर्वाद स्कूल और झिंगहाघाट विसर्जन स्थल को आठ सेक्टरों में शामिल किया है। जिले की छह तहसीलों और 22 थानों के लिए भी प्रमुखों व प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। महामंत्री कन्हैया सोनी ने बताया कि शहर में 140 से अधिक स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन बशीरगंज स्थित झिंगहाघाट विसर्जन स्थल पर किया जाएगा।प्रतिमा विसर्जन को लेकर प्रशासन ने पूरी की तैयारी रू दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शहर के झिंगहाघाट स्थित विसर्जन स्थल पर व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से विसर्जन संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ विसर्जन मार्गों पर भी निगरानी रखी जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। सोमवार को जिले के अधिकारियों ने विसर्जन स्थलों का निरीक्षण भी किया।

खेत में केला बीन रहे मासूम के साथ युवक ने किया कुकर्म

संवाददाता—बहराइच। दुर्गा प्रतिमा पांडाल से शुक्रवार सुबह कुछ बालक घर आ रहे थे। रास्ते में एक नौ वर्षीय बालक खेत में टूटे पड़े केले बीनने लगा। इसी दौरान एक युवक इस बालक को खेत में अंदर खींच ले गया। तो अन्य बालक भाग आए। सोमवार को बालक के परिजनों ने एक युवक को नामजद कर बालक के साथ कुकर्म किए जाने का आरोप लगा तहरीर दी है। पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। दर असल पीड़ित बालक दो अन्य छोटे—छोटे बच्चों के साथ बगल के गांव में मूर्ति देखने गया था। वहां से आते समय यह घटना हुई। बालक के परिजनों का आरोप लगाया है कि नग्न अवस्था में मासूम घर पहुंचा। परिजन बालक को साथ ले युवक को पहचानने के लिए उसके गांव पहुंचे, तो युवक नहीं मिला।

गोरखपुर में फैसले का अनोखा समर्थन, दुर्गा पंडाल में फांसी पर लटकाए मुस्कान–साहिल के पुतले

संवाददाता–गोरखपुर। मेरठ का चर्चित नीला ड्रम केस मर्चेट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या के आरोपियों को अदालत से मौत की सजा सुनने के आदेश का समर्थन मां दुर्गा पंडाल से किया जा रहा है। माता के प्रतिमा के बगल में बीच रोड पर समिति के लोगों ने मुस्कान और साहिल के पुतले को फांसी पर लटका कर अदालत के आदेश को जायज ठहराते हुए अपना समर्थन दिया है। यहां याद दिला दें कि मार्च 2025 में उत्तर प्रदेश के मेरठ में यह मामला सामने आया था। सौरभ राजपूत (35 वर्ष) को पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसका प्रेमी साहिल शुक्ला ने मौत के घाट उतार दिया था। आरोपियों ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए शव के टुकड़े कर नीले ड्रम में डालकर उसे सीमेंट से चिन दिया था।

ऐसे में इस प्रतिमा का क्षेत्र में विशेष क्रेज है। बड़ी संख्या में लोग यहां मां दुर्गा की विद्युत चरित्र प्रतिमा देखने आते हैं। नीला ड्रम केस मामले में आरोपियों को फांसी की सजा मिलने के बाद यहां से प्रशंसा कर रहे हैं ऐसे में समिति के युवाओं ने आरोपियों के प्रतीकात्मक पुतले को फांसी पर लटकाया है। मेरठ के बहुचर्चित नीले ड्रम वाले सौरभ राजपूत हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार मिश्रा ने पति की हत्या करने वाली मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को 14 अक्टूबर 2026 को मृत्युदंड की सजा सुनाई। जिला जज ने 30 सितंबर 2026 को 22 गवाहों के बयान और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर और दोनों पक्षों के वकीलों की बहस सुनने के बाद मुस्कान और साहिल को दोषी करार दिया था। इंद्रानगर निवासी सौरभ ने ब्रह्मपुरी निवासी मुस्कान से 2016 में प्रेम विवाह किया था। सौरभ पहले मर्चेंट नेवी में थे फिर बाद में लंदन में नौकरी करने लगे थे। मुस्कान मेरठ में किराए के मकान में रहती थी। इसी दौरान मुस्कान के अपने पुराने दोस्त साहिल शुक्ला से करीबी संबंध बन गए। 24 फरवरी 2025 को सौरभ अपनी छह साल की बेटी और पत्नी मुस्कान का जन्मदिन मनाने के लिए लंदन से आए थे। संबंधों में बाधा बनने पर मुस्कान ने नशे की गोलियां देने के बाद प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर सौरभ की तीन मार्च 2025 की रात हत्या कर दी थी। उसके शव के टुकड़े नौले ड्रम में भरकर सीमेंट से चिन दिए और दोनों हिमाचल प्रदेश के शिमला, मनाली और कसौल में घूमने चले गए थे। मुस्कान अपने साथ सौरभ का मोबाइल भी लेकर गई थी। वह यह दर्शाना चाहती थी कि वह सौरभ के साथ घूमने गई थी।

सत्संग में खुले भक्ति और मोक्ष के गूढ़ रहस्य

भक्ति मार्ग में नियमों के प्रति निष्ठा साधक के लिये आवश्यक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बड़े वन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में जगतगुरु संत रामपाल जी महाराज के पावन सत्संग लाइव टेलीकास्ट का आयोजन किया गया। सत्संग में संगत को आध्यात्मिक ज्ञान, परमात्मा प्राप्ति, सतभक्ति और पूर्ण मोक्ष से जुड़े गूढ़ रहस्यों से परिचित करवाया गया।

सत्संग के दौरान संत रामपाल जी महाराज ने बताया कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य केवल सांसारिक सुख सुविधाएं प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि परमात्मा की प्राप्ति के मार्ग को समझना भी है। इसके लिए पूर्ण गुरु से दीक्षा लेकर उनके बताए शास्त्रानुकूल भक्ति मार्ग पर चलना और आजीवन भक्ति की मर्यादाओं का पालन करना आवश्यक है। भक्ति मार्ग में नियमों के प्रति निष्ठा और अनुशासन साधक की आध्यात्मिक यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भक्ति मार्ग पर चलने वाले प्रत्येक साधक को संयम विनम्रता और मर्यादा बनाए रखते हुए परमात्मा प्राप्ति के उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सत्संग का मुख्य संदेश यही रहा कि भक्ति मार्ग में केवल भक्ति करना ही नहीं, बल्कि सही विधि से भक्ति करना और उसकी मर्यादाओं का आजीवन पालन करना भी महत्वपूर्ण है। सत्संग में जिला कोर्डिनेटर लक्ष्मन दास, सालिकराम दास ,अशोक दास, मंदाकिनी दासी, बेचू दास, राधे श्याम दास, सुरेश दास,रामबहाल दास , लालता दास, आदित्य दास, राजेश दास अमरीश दास आदि सेवादार उपस्थित रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी में डांडिया नाइट की धूम, रंग–बिरंगे परिधानों में बच्चों ने बिखेरा जलवा

ए गिरि नंदिनी, गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, रामायण और गरबा की प्रस्तुतियों ने मन मोहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी, बस्ती में डांडिया नाइट का भव्य आयोजन उत्साह और उमंग के बीच किया गया। रंग–बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। संगीत की मधुर धुनों पर डांडिया और गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने 'ए गिरि नंदिनी' की भक्तिमय प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। बावरे गीत, रामायण पर आधारित प्रस्तुति और पारंपरिक गरबा नृत्य ने समारोह को विशेष बना दिया। विद्यार्थियों ने अपनी कला, प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

विद्यालय के प्रबंधक जेपी तिवारी और प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाओं से जोड़ना तथा उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक अभिरुचि का परिचय दिया। उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर प्रबंधक जेपी तिवारी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उनमें आपसी सहयोग की भावना विकसित करने का बेहतर माध्यम हैं। विद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए भी पर्याप्त अवसर मिलें।

प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं। डांडिया और गरबा जैसे सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी विरासत से परिचित कराने के साथ ही उनमें अनुशासन, रचनात्मकता और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डांडिया नाइट में भक्ति संगीत, रामायण पर आधारित प्रस्तुति, लोकनृत्य और पारंपरिक वेशभूषा का सुंदर संगम देखने को मिला। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। आयोजन के माध्यम से मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

खेत देखने गए दलित दंपती के संदिग्ध हालात में मिले शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मालीपुर क्षेत्र के आजनपारा गांव में सोमवार की सुबह दलित दंपती विष्णु लाल और द्रोपदी के शव चकरोड के किनारे मिले। महिला के गले, पीठ व पैर पर चोट के गंभीर निशान थे जबकि विष्णु के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। शौच गए ग्रामीणों ने शव देखकर घटना की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह, फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉयड ने घटनास्थल पर जांच की। फिलहाल पुलिस जंगली जानवर के हमले में मौत होने की आशंका जता रही है लेकिन वन विभाग इससे इन्कार कर रहा है। वहीं परिजन और ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं।

मालीपुर क्षेत्र के आजनपारा गांव निवासी विष्णु लाल (45) रविवार रात करीब नौ बजे अपनी पत्नी द्रोपदी (39) के साथ धान के खेत में पानी लगाने गए थे। पानी खोलकर दोनों वापस लौट आए थे और रात करीब एक बजे वह फिर से खेत गए थे। इसके बाद दोनों रातभर घर नहीं पहुंचे। सुबह करीब छह बजे शौच के लिए निकले एक ग्रामीण ने खेत से करीब 50 मीटर दूरी पर चकरोड के किनारे दोनों के शव पड़े देखे। सूचना मिलते ही मृतक विष्णु लाल के पिता रामकेवल समेत तमाम परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। रामकेवल के अनुसार विष्णु के शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। वहीं द्रोपदी के गर्दन के पिछले हिस्से में गंभीर चोट के निशान थे जिनसे रक्तस्राव हो रहा था। इसके अलावा महिला के पैर और पीठ का मांस किसी जंगली जानवर ने खा लिया था। परिजन व ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं लेकिन अभी कोई तहरीर नहीं दी है। सीओ अनूप कुमार सिंह, थाना प्रभारी तनुज पाल, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड टीम ने घटनास्थल पर पड़ताल की। पुलिस की ओर से जंगली जानवर के हमले में मौत होने की आशंका पर डीएफओ जगदंबा प्रसाद के निर्देश रेंजर मुदित सिंह ने अपनी टीम के साथ जांच की। इस दौरान किसी सियार जैसे जानवर के पगचिह्न मिले हैं जिनके नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। सीओ जलालपुर ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या जंगली जानवर के हमले में मौत होने की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा सरकार में शिक्षकों को मिलेगा ओल्ड पेंशन स्कीम

संवाददाता–गोरखपुर। शिक्षक एमएलसी निर्वाचन में प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के पक्ष में सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम और राष्ट्रीय सचिव कमलेश यादव ने सोमवार को गोरखपुर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की। ब्रजेश गौतम ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि सपा सरकार बनते ही शिक्षकों की पुरानी पेंशन (ओपीएस) बहाल की जाएगी। साथ ही, वित्तविहीन शिक्षकों और मानदेय कर्मचारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। दोनों नेताओं ने कहा कि पिछले 18 वर्षों से भाजपा के एमएलसी रहे, लेकिन शिक्षकों और वित्तविहीन शिक्षकों की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

उन्होंने भाजपा के वादों को चुनावी जुमला बताया। इस चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के पढ़े–लिखे और जागरूक गुरुजन इस चुनाव का नतीजा तय करेंगे।

मॉ दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को कृत्रिम पोखरे तैयार

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्र के समापन के साथ विजयादशमी मंगलवार से मॉं दुर्गा की प्रतिमाओं का श्रद्धा एवं उल्लास के साथ विसर्जन शुरू होगा। महानगर में स्थापित करीब 1386 प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम ने एकला बांध पर 03, डोमिनगढ़ में 01 और महेसरा में 01 कृत्रिम तालाब का निर्माण किया है। कोतवाली सर्कल में 315, कैण्ट में 570, गोरखनाथ में 501, कैम्पियरगंज में 627, गीडा में 401, चौरीचौरा में 958, बांसगांव में 474, गोला में 412, खजनी में 416 दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित हैं। इन प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए महानगर से देहात तक तैयारियां की गई हैं। महानगर में कृत्रिम तालाबों का निर्माण कर पानी भरा जा चुका है। इन तालाब के चारों ओर मजबूत बैरिकेडिंग की गई है। ताकि प्रतिमा विसर्जन के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्रद्धालु एवं समितियों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसको ध्यान में रखते हुए मुख्य सड़कों से तालाब तक पहुंचने वाले मार्ग को दुरुस्त कर लोहे की चकर्ड प्लेट बिछाई गई है। साथ ही तालाब किनारे प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, पेयजल की सुविधा और अस्थायी कैंप कार्यालय भी बन कर तैयार है। शाम ढले विसर्जन स्थल काफी मनोरम लग रहे हैं। अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी, जेएइएसओ अखिलेश श्रीवास्तव एवं जोनल अधिकारी ओमप्रकाश ने विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जाएजा लिया। उधर जनपद में स्थापित 4509 प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए थानावार विसर्जन के लिए 319 स्थायी और अस्थायी स्थल चिह्नित हैं। यहाँ भी साफ–सफाई, पेयजल और सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। विसर्जन पूरी तरह से पर्यावरण–अनुकूल तरीके से कराया जाएगा। सभी प्रतिमाओं को तालाबों में विसर्जित कराने की तैयारी है। विसर्जन के अवशेष और पूजन सामग्री का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करने के दावे हैं। प्रतिमा विसर्जन के लिए बकाया रोस्टर बनाया गया है। प्रत्येक दुर्गा प्रतिमा के साथ दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इन पुलिस कर्मियों पर शांतिपूर्ण दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन की जिम्मेदारी है। विसर्जन स्थलों पर ज्यादा भीड़ न हो, इसलिए बकायदा रोस्टर बना कर दुर्गा प्रतिमाओं संस्थापकों को अवगत कराया है।

नवरात्र के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री का किया पूजन अर्चन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शारदीय नवरात्र के आखिरी दिन जिले भर में मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना धूमधाम से की गई। घरों में स्थापित दीवी देवताओं की पूजा से लेकर मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों में सुबह से ही मां की आराधना का दौर भोर से लेकर शाम तक चलता रहा। भक्तों ने माता से अपने घर परिवार के सुख–समृद्धि और कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा।नवरात्र के नवमी तिथि को मां सिद्धिदात्री की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि मां सिद्धिदात्री की सच्चे मन से पूजा करने से सभी पाप धुल जाते हैं और जीवन में सुख शांति आती है।

मां सभी सिद्धियों को अपने भक्तों को प्रदान करती हैं। सोमवार को जिले के सभी देवी मंदिरों में मां का विशेष श्रृंगार किया गया। भोर से ही मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी लाइन लगी रही। शहर के प्रमुख दुर्गा मंदिरों में खलीलाबाद के समय माता मंदिर, मेंहदावल, बखिरा, नाथनगर और धनघटा के पंडालों में सुबह 4 बजे से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। महिलाओं ने व्रत रखकर मां की कथा सुनी और हवन पूजन किया। कई स्थानों पर अष्टमी–नवमी तिथियों का एक साथ योग बनने पर कन्या पूजन का भी आयोजन किया गया। नौ कन्याओं को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। घरों में भी महिलाओं ने विधि विधान से मां महागौरी की पूजा की। परिवार की सुख समृद्धि के लिए अखंड दीप जलाए गए। कई घरों में भजन कीर्तन और दुर्गा सप्तशती के पाठ का आयोजन भी हुआ। मंदिर के पुजारी सुभाष मिश्र ने बताया कि अष्टमी और नवमी दोनों ही दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व है। इस दिन कन्या पूजन करने से मां शीघ्र प्रसन्न होती हैं और मनोकामना पूर्ण करती हैं। शहर में दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पंडालों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं देर शाम तक पंडालों में भक्ति गीतों और भजनों से माहौल भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कबड्डी प्रतियोगिता में दुधौरा की टीम बनी विजेता

खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिगिना चौराहा स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इण्टर कॉलेज परिसर में नवयुवक मित्र मंडल कमेटी द्वारा एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कमेटी के अध्यक्ष राजबिंद कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों की 18 टीमों ने हिस्सा लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद संत कबीर नगर जिले की दुधौरा टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि बस्ती जिले की नगहरा टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के समापन पर राजबिन्द कुमार ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन बस्ती सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव और समाजसेवी राकेश चतुर्वेदी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि सुनील पाण्डेय ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने राजबिंद कुमार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है।

नवयुवक मित्र मंडल कमेटी के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के नेतृत्वकर्ता राजबिंद कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाना और उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाएंगे। उनका प्रयास है कि जिगिना में प्रत्येक वर्ष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हो, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल सौरभ चौधरी, वरिष्ठ समाजसेवी मूलचंद आजाद, डॉ. रवि चौधरी, पीयूष शुक्ला, डॉ. प्रमोद कुमार और जयप्रकाश ने भी आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के साथ–साथ उनकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिगिना में आयोजित इस कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवाओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन ओमप्रकाश ने किया। इस दौरान अवधेश, राहुल कुमार, मोहन गौतम, अरविंद, राम पलट जाटव, विनोद कुमार, रिंकू, पिंटू, राघवेंद्र कुमार, सोहन कुमार, वशिष्ठमणि दूबे, कवि चौधरी, फूलचंद, राम प्रकाश, अवधेश कुमार, शुभम, अजीत, करन, नितेश, अतुल, सुरेश चंद, अशोक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2011 अनुक्रमांक 2386113 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(सन्तू)
पुत्री ओम प्रकाश
ग्राम व पोस्ट– ओडवारा
जनपद बस्ती (उ.प्र.)

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–417 / 2026
मंगरू आदि
बनाम
रघुवीर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह आदि

1– रघुवीर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह पुत्र रघुनन्दन सिंह 2. गोपाल सिंह उर्फ गुड्डू सिंह 3. सोनी सिंह उर्फ चन्द्रशेषर सिंह पुत्रगण रघुवीर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह निवासीगण पाण्डेय बाजार बांसी रोड बस्ती तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–814 / 2025
रामचन्दर यादव
बनाम
रामसरन यादव आदि

1– रामसरन यादव पुत्र रामसुन्दर 2. इन्द्रसेन यादव पुत्र रामसरन यादव निवासीगण निकट कामता नरसिंह होम (यादव टोला) मोहल्ला पिकौरा बक्स तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
अदालत– श्रीमान विशेष न्यायाधीश/ ई0सी0/ एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0–54 / 2016
श्याम प्रसाद
बनाम
सत्यनरायन आदि

4/1 मनोरमा उम्र लगभग 74 साल विधवा चन्द्र प्रकाश 4/2 विशाल उम्र लगभग 48 साल 4/3 अनुपम उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण चन्द्र प्रकाश 4/4 प्रियंका उम्र लगभग 42 साल पुत्री चन्द्र प्रकाश साकिन नेवादा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 12–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुस्म्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–957 / 2022
राजाराम
बनाम
शिव कुमार आदि

1– शिवकुमार उम्र लगभग 40 साल 2– रामजग उमर लगभग 55 साल 3– जयमंगल उमर लगभग 50 साल पुत्रगण ब्रम्हादीन साकिन ककराखुर्द तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4–तिलकराम उमर लगभग 50 साल 5– रामबहादुर लगभग 45 साल 6– केशवराम उमर लगभग 39 साल 7. फूलचन्द्र उमर लगभग 35 साल पुत्रगण श्यामलाल साकिन ककराखुर्द तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com